

---

# Shri Vagvadinishatkam

श्रीवागवादिनीषट्कम्

## Document Information

---

Text title : vAgvAdinIShaTkam

File name : vAgvAdinIShaTkam.itx

Category : devii, sachchidAnanda-shivAbhinava-nRisiMhabhAratI, devI, sarasvatI, ShaTkam

Location : doc\_devii

Author : Sachchidananda Shivabhinava Nrisimha Bharati Swamigal

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran

Latest update : November 9, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 2, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Vagvadinishatkam

---

## श्रीवाग्वादिनीषट्कम्

---



वरदाय्युत्तुकरुणाजन्मावनिरपि पयोजभवज्जये ।  
किं कुरुषेन कृपां मयि वद वद वाग्वादिनि स्वाहा ॥ १ ॥

किं वा ममास्ति मडती पापततिस्तत्रभेदने तरसा ।  
किं वा न तेऽस्ति शक्तिर्वद वद वाग्वादिनि स्वाहा ॥ २ ॥

किं श्रुवः परमशिवाद्भिन्नोऽभिन्नोऽथ भेदश्च ।  
औपाधिकः स्वतो वा वद वदवाग्वादिनि स्वाहा ॥ ३ ॥

वियदादिकं जगदिदं सर्वं मिथ्याऽथवा सत्यम् ।  
मिथ्यात्वधीः कथं स्याद्भद वद वाग्वादिनि स्वाहा ॥ ४ ॥

ज्ञानं कर्म य मितितं उतुर्भोक्षेऽथवा ज्ञानम् ।  
तज्ज्ञानं केन भवेद्भद वदवाग्वादिनि स्वाहा ॥ ५ ॥

ज्ञानं विचारसाध्यं किं वा योगेन कर्मसाधनैः ।  
कीदृक्त्वोऽपि विचारो वद वद वाग्वादिनि स्वाहा ॥ ६ ॥

एति शृङ्गेरि श्रीजगद्गुरु श्रीसख्यिदानन्दशिवाभिनवनृसिंह-  
भारतीस्वामिभिः विरचितं श्रीवाग्वादिनीषट्कं सम्पूर्णम् ।

Proofread by PSA Easwaran

---

*Shri Vagvadinishatkam*

pdf was typeset on February 2, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

